भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 2203**
दिनांक 12.12.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

**उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना**

2203. श्री जी. लक्ष्णीनारायण:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को आंध्र प्रदेश के संस्थानों की ओर से पेट्रोकेमिकल्स की नई योजना के अंतर्गत पेट्रोकेमिकल्स और रसायन क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करने के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ख) यदि हाँ, तो स्वीकृत किए गए/अस्वीकृत किए गए ऐसे प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है और ये संस्थान कौन से हैं, प्रस्तावित अनुसंधान की प्रकृति क्या है, अनुमोदन की वर्तमान स्थिति क्या है तथा प्रस्तावों को स्वीकृत न किए जाने, यदि कोई हो, के कारण क्या हैं;

(ग) क्या सरकार का आंध्र प्रदेश में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के संवर्धन के लिए बढ़ावा दिए जाने या विशेष प्रोत्साहन दिए जाने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) पूरे देश में और विशेषकर आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों में उत्कृष्टता केंद्रों का संतुलित क्षेत्रीय वितरण सुनिश्चित करने के लिए राज्य-बार क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

**(क) से (घ):** उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करने की योजना के तहत, सरकार मौजूदा प्रौद्योगिकियों को मजबूत करने, अनुसंधान को आगे बढ़ाने और रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र में नए अनुप्रयोगों के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चयनित अनुसंधान संस्थानों को अनुदान सहायता प्रदान करती है। प्रत्येक सीओई 5 करोड़ रुपये की अधिकतम सीमा के अधीन, कुल परियोजना लागत के 50% तक की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र है। यह योजना संपूर्ण भारत के सभी पात्र संस्थानों के लिए खुली है और किसी विशेष

राज्य, संघ राज्य क्षेत्र या प्रदेश तक सीमित नहीं है।

अब तक, सरकार ने संपूर्ण देश में निम्नलिखित 18 सीओई को स्वीकृति प्रदान की है

| क्र.सं. | राज्य | उत्कृष्टता केंद्र का स्थान | उत्कृष्टता केंद्र का नाम |
|---|---|---|---|
| 1 | असम | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी | टिकाऊ पॉलिमर (सुसपोल) |
| 2 | असम | सीएसआईआर - उत्तर पूर्व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-एनईआईएसटी), जोरहाट | पॉलिमर, उनके कंपोजिट और पेट्रोलियम उद्योगों के सतत विकास के लिए पॉलिमर मेम्ब्रेन |
| 3 | असम | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी | पॉलिमर खिलौनों का टिकाऊ और नवोन्मेषी डिजाइन और निर्माण (सुंदर - खिलौने) |
| 4 | दिल्ली | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली | उन्नत पॉलिमरिक सामग्री |
| 5 | झारखंड | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस), धनबाद | कोयला से एसिटिलीन और अच्छा रसायन |
| 6 | केरल | सीएसआईआर - राष्ट्रीय अंतर्विषयी विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-एनआईआईएसटी), तिरुवनंतपुरम | औद्योगिक अनुप्रयोग के लिए परफार्मेंस केमिकल्स और टिकाऊ पॉलिमर |
| 7 | मध्य प्रदेश | सीएसआईआर - उन्नत सामग्री और प्रक्रिया अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एएमपीआरआई), भोपाल | पारदर्शी और असंगत धातु-खिड़कियों और व्यक्तिगत सुरक्षात्मक परिधानों के लिए पॉलिमर कंपोजिट आधारित एक्स-रे, गामा-रे और न्यूट्रॉन शील्ड |
| 8 | महाराष्ट्र | सीएसआईआर - राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल), पुणे | टिकाऊ पॉलिमर उद्योग अनुसंधान और नवाचार |
| 9 | महाराष्ट्र | सीएसआईआर -एनसीएल, पुणे | स्पेशलिटी पॉलिमर के लिए स्वनिर्धारित एडिटिव उत्पादन |
| 10 | महाराष्ट्र | भारतीय रबर सामग्री अनुसंधान संस्थान (आईआरएमआरआई) जिसे पहले भारतीय रबर मैन्युफैक्चरर्स रिसर्च एसोसिएशन (आईआरएमआरए), ठाणे के नाम से जाना जाता था | डिज़ाइन और विकास के लिए रबर और संबंधित उत्पादों से बने मूल्यवर्धित खिलौने |
| 11 | ओडिशा | केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), भुवनेश्वर | टिकाऊ हरित सामग्री |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 12 | ओडिशा | सिपेट, भुवनेश्वर | जैव इंजीनियर टिकाऊ पॉलिमरिक प्रणालियाँ |
| 13 | ओडिशा | सिपेट, भुवनेश्वर | अगली पीढ़ी के जैव-चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन |
| 14 | तमिलनाडु | केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), चेन्नई | ग्रीन ट्रांसपोर्ट नेटवर्क (ग्रीट) |
| 15 | तमिलनाडु | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास | बायोडिग्रेडिबल पैकेजिंग सामग्री (बायोपैक) |
| 16 | तेलंगाना | सीएसआईआर-भारतीय रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी), हैदराबाद | सजावटी, सुरक्षात्मक और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए पॉलिमर कोटिंग्स |
| 17 | उत्तराखंड | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की | पेट्रोरसायन उद्योगों में अपशिष्ट जल प्रबंधन का प्रक्रिया विकास |
| 18 | उत्तर प्रदेश | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर | विशेष रसायन |

जुलाई, 2024 में, सरकार ने नए उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना के लिए पात्र संस्थानों से आवेदन आमंत्रित किए थे और कुल 50 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इनमें से दो प्रस्ताव आंध्र प्रदेश से प्राप्त हुए: (i) रिसेप्स लिमिटेड, विशाखापट्टनम, "रिकवरी एंड रियूज ऑफ सॉल्वेंट फॉर ए सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग एंड प्रोडक्शन," और (ii) "सस्टेनेबल एंड इनोवेटिव प्रोसेस इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज" से संबंधित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी (आईआईपीई), विशाखापट्टनम।

इन 50 प्रस्तावों में से, रिसेप्स लिमिटेड के प्रस्ताव पर विचार नहीं किया गया था क्योंकि इसने योजना दिशानिर्देशों के तहत सरकारी संस्थान होने की आवश्यक पात्रता को पूरा नहीं किया था। आईआईपीई के प्रस्ताव की विशेषज्ञ समिति द्वारा समीक्षा की गई; हालांकि, इसे शॉर्टलिस्ट नहीं किया गया, क्योंकि इसने निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं किया था।

*****